आकाशवाणी केन्द्र शिमला
02.12.2024 / प्रादेशिक समाचार / 1945बजे

मुख्य समाचार

- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शिमला के ढली में 13 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से बने बस अड्डे का किया लोकार्पण।
- उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा– एचआरटीसी के बेड़े में डेढ़ माह के भीतर शामिल होंगी 2 सौ 50 डीज़ल बसें।
- जनजातीय क्षेत्रों में बौद्ध टूरिज्म सर्किट विकसित करेगी राज्य सरकार।
- केन्द्र सरकार की नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत हिमाचल प्रदेश के 16 स्वयं सहायता समूहों को मिले ड्रोन।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज शिमला में 13 करोड़ से अधिक की लागत से नवनिर्मित ढली बस अड्डे का लोकार्पण किया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार ने सिर्फ चुनावी दृष्टि से बिना बजट के इस बस अड्डे का शिलान्यास किया था और ऐसा ही ठियोग बस अड्डे के लिए भी किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने बीते और इस वर्ष में 5–5 करोड़ रुपये जारी कर 13 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण कार्य पूरा करवाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां 24 करोड़ रुपये की लागत से एचआरटीसी की एक आधुनिक वर्कशॉप भी बनाई जा रही है, जिसका कार्य जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।
सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ढली में 36 करोड़ रुपये की लागत से सब्जी मंडी के आधुनिकीकरण कार्य की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा कि एक महीने के भीतर मंडी का आधुनिकीकरण कार्य शुरू हो जाएगा और इसे 18 महीने में पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ढली में नई पार्किंग बनाने का आश्वासन दिया। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने एक करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बने सामुदायिक केंद्र समिट्री संजौली और पार्किंग सुविधा का भी लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि ढली बस अड्डे के लिए करीब 17 करोड़ रूपये की स्वीकृत प्रदान की गई थी और करीब 13 करोड़ 25 लाख रूपये से इसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि बस अड्डे के निर्माण कार्य में करीब 3 करोड़ 75 लाख रूपये की बचत हुई है। अग्निहोत्री ने कहा कि बस स्टेंड परिसर में 13 दुकानें, कॉन्फ्रेंस हॉल, रेस्टरूम, टिकट काउंटर, एक्विटी रूम और प्रतीक्षा कक्ष जैसी सुविधाएं लोगों को उपलब्ध होंगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में 2 सौ 50 डीज़ल बसों की खरीद की स्वीकृति प्राप्त हुई जो डेढ़ माह के भीतर निगम के बेड़े में शामिल की जाएंगी। उन्होंने कहा कि 3 सौ इलैक्ट्रिक बसों की खरीद प्रक्रिया अंतिम चरण में है और इलैक्ट्रिक स्टेशनों व वर्कशॉप के लिए लगभग एक सौ 10 करोड़ रूपये प्राप्त हो चुके हैं।
अग्निहोत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष अपनी ज़िम्मेदारी निभाने के बजाए प्रदेश की विकासात्मक योजनाओं में अड़ंगे डालने का काम कर रहा है। ढली बस अड्डे के उद्घाटन अवसर पर कृषि मंत्री चंद्र कुमार, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सुक्खू

इस बीच मुख्यमंत्री ने आज शिमला में हिमाचल प्रदेश जनजातीय सलाहकार परिषद की 49वीं बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्र के लोगों को नौतोड़ स्वीकृत करने की मांग प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है, जिसका प्रस्ताव राज्य मंत्रिमंडल ने स्वीकृति के बाद राज्यपाल को अनुमोदन के लिए भेजा है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि राज्यपाल शीघ्र ही इस पर अपना अनुमोदन प्रदान करेंगे। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि

राज्य सरकार जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है और बौद्ध पर्यटन सर्किट बनाया जा रहा है, ताकि पर्यटक जनजातीय क्षेत्रों की संस्कृति से रू–ब–रू हो सकें। बैठक में जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पेयजल आपूर्ति और आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण के साथ–साथ विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर विस्तारपूर्वक विचार विमर्श किया गया।

राज्यपाल

शिमला स्थित राजभवन में आज नागालैंड और असम राज्यों के स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और लेडी गवर्नर जानकी शुक्ल भी उपस्थित थीं। इस दौरान दोनों राज्यों के शिमला में रहने वाले लोगों से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों, परंपराओं व प्रथाओं का अनुभव राज्यों के बीच समझ और संबंधों को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से एक भारत श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण से देश की एकता व अखंडता और भी सुदृढ़ होगी। राज्यपाल ने दोनों राज्यों के उपस्थित लोगों को हिमाचली टोपी और शाल पहनाकर सम्मानित भी किया।

सिकंदर कुमार

केन्द्र सरकार की नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत हिमाचल प्रदेश के 16 स्वयं सहायता समूहों को इस वित्त वर्ष में ड्रोन हासिल हुए हैं। राज्यसभा सांसद सिकंदर कुमार द्वारा राज्यसभा में पूछे गए सवाल के जवाब में केन्द्रीय कृषि व किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान पहले चरण में 3 हज़ार 90 महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 16 हिमाचल प्रदेश से हैं। रामनाथ ठाकुर ने कहा कि केन्द्र सरकार ने वर्ष 2023–24 से 2025–26 की अवधि के लिए एक हज़ार 2 सौ 61 करोड़ रूपये के परिव्यय के साथ महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान करने के लिए नमो ड्रोन दीदी को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य किसानों को तरल उर्वरकों और कीटनाशकों के छिड़काव के लिए किराए पर सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से 15 हज़ार चयनित महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान करना है।

विक्रमादित्य सिंह

लोक निर्माण व शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज शिमला जल प्रबंधन निगम लिमिटेड के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में स्वेज कंपनी के प्रतिनिधि भी शामिल रहे। इस दौरान दवाडा, शकरोड़ी और डुम्मी परियोजना के कार्य को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। स्वेज कंपनी के प्रतिनिधियों ने भी शहर में पेयजल आपूर्ति करने को लेकर विस्तार से प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विक्रमादित्य सिंह ने कंपनी के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि शहर के पार्षदों, लोगों और स्थानीय विधायक को विश्वास में लेकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि कंपनी के कर्मचारी पार्षदों के साथ हर वार्ड में जाएं और स्थानीय लोगों की शंकाओं को मद्देनजर रखते हुए आगे के कार्य की रूपरेखा बनाई जाए। विक्रमादित्य सिंह ने शिमला जल प्रबंधन निगम लिमिटेड को हर माह एक रिपोर्ट देने को भी कहा जिसमें शहर में पेयजल योजना के कार्य का हर अपडेट दिया जाए।

राजीव भारद्वाज

केंद्रीय महिला व बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के एक सौ 53 मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों को स्तरोन्नत किया गया है। कांगड़ा लोकसभा क्षेत्र से सांसद राजीव भारद्वाज द्वारा संसद में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने ये जानकारी दी। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार इन केंद्रों को स्तरोन्नत किया गया है। सावित्री ठाकुर ने बताया कि बच्चों की प्राथमिक शिक्षा व देखभाल के मददेनजर केंद्र सरकार ने सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण कार्यक्रम के अंतर्गत देश

भर में कार्यरत सभी मिनी केंद्रों को पूर्ण विकसित आंगनबाड़ी केंद्रों में स्तरोन्नत करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में एक वर्कर और एक हैल्पर तैनात किया जाएगा।

मोबाइल टावर

चंबा जिला के जनजातीय क्षेत्र पांगी के मिंधल गांव में आज जियो के मोबाइल टावर ने काम करना शुरू कर दिया है, जिससे लोगों को काफी राहत मिली है। इस मोबाइल टावर के शुरू होने से सुराल, साच और कुमार क्षेत्रों के लोगों को अब मोबाइल सिग्नल की सुविधा मिलेगी। इस टावर के स्थापित होने पर भाजपा मंडल पांगी के अध्यक्ष प्रकाश चंद ने कंपनी प्रबंधन सहित भरमौर पांगी के विधायक डॉक्टर जनक राज का आभार जताया है। प्रकाश चंद ने कहा कि मोबाइल टावर की लोगों की वर्षों पुरानी मांग थी और इस क्षेत्र में मोबाइल सिग्नल न होने की वजह से लोगों को कई तरह की परेशानियों से जूझना पड़ता था।